Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment	Entertainment & Event
Property	Hobbies & Interests
Business Opportunity	Services
Vehicles	Jewellery & Watches
Announcements	Music
Antiques & Collectables	Obituary
Barter	Pets & Animals
Books	Retail
Computers	Sales & Bargains
Domain Names	Health & Sports
Education	Travel
Miscellaneous	

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

उत्तराखंड में अभी नहीं होगा अंतरराज्यीय बसों का संचालन

बैठक

■कोरोना संक्रमण के बढ़ने की आशंका के मद्देनजर लिया गया फैसला

दोगुने किराये को डेढ़ गुना करने पर यात्रियों को कुछ हद तक राहत

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में अभी अंतरराज्यीय बसों का संचालन नहीं किया जाएगा। कोरोना संक्रमण के बढ़ने की आशंका के मद्देनजर ये फैसला लिया गया है। इसके साथ ही यात्रियों की सुविधा के लिए राज्य के भीतर बसों में सिटिंग कैपेसिटी बढ़ाने और किराया दोगुने की जगह डेढ़ गुना करने पर भी बात बनी है। सितंबर तक का टैक्स भी माफ किया जाएगा। स्वीकृति के लिए इन मुद्दों को कैबिनेट में लाया जाएगा। मुख्य सचिव ओम प्रकाश की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बैठक में ये फैसले लिए गए।

कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुए अभी उत्तराखंड में अंतरराज्यीय बसों का संचालन ठप है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में भी अभी फिलहाल अंतरराज्यीय बसों को संचालन की अनुमति नहीं दी गई है। हालांकि दोगुने किराये को डेढ़ गुना करने पर जरूर फैसला हुआ है, जिससे यात्रियों को कुछ हद तक राहत जरूर मिलेगी।

गौरतलब है कि सरकार ने 22 जून से राज्य के भीतर किराया दोगुना कर निजी, रोडवेज बसों और अन्य व्यवसायिक वाहनों के संचालन की अनुमति दी थी। निजी वाहनों के चक्के तो लगभग एक माह बाद घूमे, लेकिन रोडवेज ने बसों के पहिए 25 जून से घुमा दिए थे। रोडवेज ने किराया 67 फीसद ही बढ़ाने का निर्णय लिया था। हालांकि, अंतरराज्यीय परिवहन शुरू न होने से मौजूदा समय में रोडवेज और निजी बसें प्रदेश के अंदरूनी मार्गों पर ही चल रहीं। यही नहीं, प्रदेश के एक जनपद से दूसरे जनपद के बीच यदि उत्तर प्रदेश का मार्ग पड़ता है तो वहां अभी बसें नहीं चलाई जा रहीं।

उत्तराखंड परिवहन निगम की कमाई छह लाख रुपये घटी: कोरोना अनलॉक–1 के तहत रोडवेज ने 25 जून से प्रदेश के भीतरी मार्गो पर बसों का संचालन शुरू किया था। शुरुआत में 92 बसें संचालित की गईं, जो वर्तमान में 300 तक पहुंच गई थी। अब बरसात की वजह से पहाड़ी मार्गों पर बसों का संचालन काफी घट गया है। दून–मसूरी मार्ग भी बंद है। ऐसे में बसों की संख्या घटकर 230 रह गई है। रोडवेज महाप्रबंधक दीपक जैन ने बताया कि पिछले दिनों रोडवेज की कमाई 18 लाख रुपये रोजाना पहुंच गई थी, मगर पहाड़ी मार्गो के बंद होने व बसों की संख्या कम होने से इन दिनों कमाई 12 लाख रुपये प्रतिदिन तक आ गई है। रोडवेज महाप्रबंधक ने बताया कि अगर अंतरराज्यीय परिवहन की मंजूरी मिल जाती है तो रोडवेज पहले चरण में करीब 750 बसें रोजाना संचालित कर सकता है।

न्यूज डायरी

भारी बारिश केचलते ऐंचोली स्यूनी मार्ग क्षतिग्रस्त

संवाददाता पिथौरागढ़। जिले में देर रात से हुई भारी बारिश के चलते ऐंचोली स्यूनी मार्ग क्षतिग्रस्त हो चुका है। बता दें कि मार्ग के जगह जगह से क्षतिग्रस्त होने के कारण संकट उत्पन हो गया है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष कोमल मेंहता ने पीएमजीएसवाई के विभागीय अधिकारियों को साथ लेकर अवरूद मार्ग को खोलने के लिए स्थानीय लोगों को साथ लेकर प्रदर्शन किया। वही इस दौरान तमाम स्थानीय लोग मौजूद रहे।

भाजपाईयो ने कोश्यारी को दी बधाईयां

संवाददाता पिथौरागढ़। पहाड़ पुत्र महामहिम भगत सिंह कोश्यारी राज्यपाल महाराष्ट्र को गोवा राज्य के राज्यपाल के रूप में अतिरिक्त प्रभार मिलने पर खासी खुशी जाहिर की है। वही उनको हार्दिक बधाईयां देने के साथ उनको अपनी ओर से मंगल शुभकामनाएं भी भेजी है। वही जिले के भाजपा पार्टी के कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह भी देखने को मिला है।

सीमांत जिले में देर रात से भारी बारिश का कहर

संवाददाता पिथौरागढ़। सीमांत जिला मुख्यालय सहित सीमांत जनपद सेजुडी तहसीलों मुंसयारी धारचूला में भारी बारिश का कहर जारी है। बता दें कि जिला मुख्यालय सहित सीमांत की तहसीलों में मौसम विभाग द्वारा दी गई वैधानिक चेतावनी का असर देखने को मिल रहा है। जिले व आसपास की तहसीलों में बीते मंगलवार की देर रात्रि से भारी बारिश का कहर जमकर देखने को मिला है। बता दें कि जिले में जगह जगह भारी बरसाती नाले व बारिस के कारण सडकों में ताल बन गये है। वही पैदल चलने वाले राहगीरों को मुसीबत का सामना करना पड रहा है। वही चीन सीमा को जोडने वाली सडक अभी भी बंद पडी है। भारी बारिश के चलते बीआरो बंद पडी सडक को खोलने में असमर्थता जता रहा है।

पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया ने स्विचेज 'जीवा' की शानदार रेंज लॉन्च की

संवाददाता देहरादून। देश में इलेक्ट्रिकल कंस्ट्रिक्श न मैटीरियल (ईसीएम) की सबसे बड़ी निर्माता कंपनियों में से एक पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया ने किफायती मॉड्यूलर स्विच की शानदार रेंज 'जीवा' को लॉन्च करने की घोषणा की। कंपनी का लक्ष्य उन उपभोक्ताओं की मांग पूरा करना है, जो नई शानदार और सुविधाजनक लाइफस्टाइल को अपनाना चाहते हैं। इन किफायती स्विच की नई रेंज की पेशकश के साथ कंपनी ने अपने मजबूत क्षेत्रों में अपना दबदबा फिर से स्थापित किया है। इस सेगमेंट में कंपनी काफी तेजी से आगे बढ़ रही है।

चार सितंबर को खुलेंगे पवित्र तीर्थस्थल हेमकुंड साहिब के कपाट

श्रद्धालुओं को 72 घंटे पहले कोविड का पीसीआर टेस्ट कराना जरूरी होगा

संवाददाता गोपेश्वर (चमोली)। सिखों के पवित्र तीर्थस्थल हेमकुंड साहिब के कपाट चार सिंतबर को श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। इसी दिन लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के भी कपाट खुलने हैं। जिला प्रशासन एवं गुरूद्वारा प्रबंधन समिति ने यात्रा के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली है। सिखों के 10वें गुरु गोविंद सिंह की तपस्थली हेमकुंड साहिब के कपाट हर वर्ष मई महीने के दौरान खुलते थे, लेकिन इस बार कोरोना महामारी के चलते एहतियातन चार सितबर से हेमकुंड साहिब के कपाट खोलने का फैसला लिया गया। गौरतलब है कि चमोली जिले में स्थित हेमकुंड साहिब सिखों का प्रसिद्ध तीर्थ स्थान है।

जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने बताया हेमकुंड साहिब गुरूद्वारा प्रबंधन समिति से विचार विमर्श के बाद हेमकुंड की यात्रा चार सितंबर से खोलने का निर्णय लिया गया है।

हेमकुंड साहिब की यात्रा पर उत्तराखंड के बाहर से आने वाले सभी श्रद्धालुओं को 72 घंटे पहले कोविड का पीसीआर टेस्ट कराना जरूरी होगा। इसके अलावा उत्तराखंड सरकार की वेबसाइट से ई–पास लेकर ही यात्रा की इजाजत दी जाएगी। यात्रा के दौरान गुरूद्वारों में शारीरिक दूरी, मास्क पहनना एवं कोविड के सभी नियमों का पालन करना भी अनिवार्य रहेगा। तीर्थयात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की थर्मल स्क्रीनिंग भी कराई जाएगी। हेमकुंड साहिब की सुरक्षित एवं सुगम यात्रा के लिए जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने लोनिवि, विद्युत एवं जल संस्थान को यात्रामार्ग पर जरूरी व्यवस्थाओं को सुचारू रखने के निर्देश कर दिए है।

हरीश रावत के पलायन पर बयानबाजी अपने आप में एक सबसे बड़ा ढोंग

संवाददाता देहरादून। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता बिपिन कैंथौला ने पूर्व सीएम हरीश रावत के रिवर्स पलायन व पश्चाताप वाले ट्वीट पर चुटकी लेते हुवे कहा कि जो व्यक्ति खुद अपने क्षेत्र से पलायन कर गया हो तो उसके द्वारा पलायन पर बयानबाजी अपने आप में एक सबसे बड़ा ढोंग है। यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत को अब लगने लगा है कि उनकी राजनीतिक पारी का अंतिम समय आ गया है। इसीलिए आजकल पश्चाताप में डूबे हुए हैं।

बिपिन कैंथोला ने कहा कि हरीश रावत को समझ आ गया है कि अब उनकी राजनीतिक पारी का आखरी समय चल रहा है, जिस कारण वह अब दिन प्रतिदिन पश्चाताप की बातें अपने सोशल मीडिया अकाउंट से कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरीश रावत जब मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने उत्तराखंड में जो जनविरोधी काम किये, प्रदेश के विकास की गलत नीति बनाई और जनता की अनदेखी के जो काम किए, उसका उनको आज पछतावा हो रहा है।

उन्होंने कहा कि हरीश रावत पलायन पर सरकार और भाजपा पर हमला करते हैं। लेकिन हरीश रावत बताएं कि 2017 के चुनाव में पहाड़ की विधानसभा सीट छोड़ कर एक सीट हरिद्वार जिले और दूसरी सीट ऊधमसिंह नगर जिले में आकर चुनाव लड़ने गए थे, तब उनकी रिवर्स पलायन की सोच कहां चली गई थी। बिपिन कैंथोला ने कहा कि हरीश रावत की सोच पलायन वादी सोच है।

जीआईसी सुकौली सड़क मार्ग तलाब मे हुआ तब्दील

नाराज लोगों ने नगरपालिका व लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर उठाये सवाल

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ़। जिला मुखलय से सटे ग्रम पंचायत हुडेती को जोडने वाला जीआईसी सुकौली सडक मार्ग तलैया में तब्दील हो चुका है। बता दें कि यह मार्ग लंबे समय से खस्ताहाल बना हुआ है। जानकारी के मुताबिक जिले में हो रही लगातार भारी बारिश के चलते मार्ग से पैदल होकर गुजरने वालों को दिक्कतों से दो चार होना पड़ रहा है। यह सडक मार्ग नगर पालिका के अंर्तगत आता है। जीआईसी सुकौली सड़क मार्ग में नाली के होने से भी बरसात के पानी की भी इसी मार्ग में जमा होने के खासे आसार बनते नजर आ रहे है। वही जानकारी जो हाथ लगी है उसके मुताबिक हर रोज इस मार्ग से सैकडों की संख्या में लोग आवाजाही भी करते है। वही इस मार्ग में आये दिन काफी तादात में कई वाहन दुर्घटनाओं के शिकार भी हो रहे है। इलाके के पास महादेव धारे के नाम से पानी का धारा भी लगा हुआ है। वही यहां पर धारे में काफी तादात में लोगों की आये दिन आवाजाही भी होती है। ऐसे हालातों में धारो में पानी भरने के लिए आने वाले लोगों को मुसीबतों का सामना करना पड रहा है। बता दें कि अब सडक पैदल चलने लायक भी नही रह चुकी है। वही आसपास के मकानों में भी बरसात का पानी स्थानीय लोगों के घरोमें घुस रहा है। इलाके के लोगों के द्वारा इस मामले को लेकर कई बार नगर पालिका व लोक निर्माण विभाग को अवगत करा दिया मगर अब तक लागों को मायूसी ही हाथ लग पाई है। वही ऐसे हालातों में मार्ग की हालत बेहद खराब पड चुकी है। वही इलाके के लोगों ने नगर पालिका व लोक निर्माण की कार्य प्रणाली पर सवाल उठाने शुरू कर दिये है। इलाके के नाराज लोगों ने नगर में सडक में उतरकर प्रदर्शन किया। वही प्रदर्शन करने वालों में यूथ कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता दीपक तिवारी के नेत्रत्व में तमाम ग्रम प्रतिनिधि मौजूद रहे।

भारतीय सांकेतिक भाषा को सरकार को आधिकारिक मान्यता देना चाहिएः वैभव कोठारी

संवाददाता देहरादून। 135 करोड़ घनी आबादी वाला देश भारतवर्ष, जिसमें 1.3 मिलियन से अधिक दिव्यांग नागरिक शामिल हैं। इन नागरिकों की सुविधार्थ केंद्र सरकार को भारतीय संविधान के तहत भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) को 23वीं आधिकारिक भाषा बनाना चाहिए। कोलकाता के सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यकर्ता संदीप भूतोरिया द्वारा आयोजित 'विनिंग चौलेंज' नामक वेबिनार में प्रधान अतिथि के तौर पर उपस्थित मूक और बधिर उद्यमी, इंजीनियर और प्रेरक वक्ता वैभव कोठारी ने वेबिनार में अपने विचारों का आदान–प्रदान करते समय यह बातें कही। उन्होंने इस वेबिनार के जरिये दुनिया के विभिन्न हिस्सों से जुड़नेवालों से संवाद करने के लिए इस सांकेतिक भाषा का ही इस्तेमाल किया। वेबिनार के दौरान संदीप भूतोरिया द्वारा वैभव से पूछे गये सवाल में कि आपको क्या लगता है, भारत की संविधान के तहत मौजूदा 22 अनुसूचित भाषाओं की सूची में भारतीय सांकेतिक भाषा को शामिल करने पर इस भाषा को कितना महत्व और बढ़ावा मिलेगा?